INTERNATIONAL URBAN COOPERATION
European Union

A European Union Programme

इंटरनैशनल अरबन को-आपरेशन प्रोग्राम

वैश्वकि स्तर पर स्थायी शहरी वकिास को बढ़ावा देना

www.iuc.eu

आईयूसी क्या है

जिन क्षेत्रों में अधिकांश लोग रहते और काम करते हैं] उन शहरों को ऐसे क्षेत्र के रूप में स्वीकार किया जाता है] जहां प्रमुख सामाजिक एवं पर्यावरणीय चुनौतियों का समाधान विकसित और कार्यान्वित किया जाना चाहिए।

शहर] दुनिया के आर्थिक और सांस्कृतिक गतिविधियों के प्रमुख केंद्र होते हैं और इन्हीं वजहों से काफी तीव्र गति से शहरीकरण का विकास भी हो रहा है। इस तीव्र जनसांख्यिकीय बदलाव ने कई शहरों पर दबाव काफी बढ़ा दिया है] साथ ही स्थानीय सरकारों को अक्सर बिजली] पानी] स्वास्थ्य] शिक्षा और परिवहन सेवाओं की उच्च मांग को पूरा करने के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है।

इंटरनैशनल अर्बन को-आपरेशन (आईयूसी) प्रोग्राम का उद्देश्य दुनिया के विभिन्न इलाकों के शहरों को समान समस्याओं का समाधान साझा करने और उन्हें आपास में जोड़ने में सक्षम बनाना है। यह सार्वजनिक और निजी] दोनों क्षेत्रों के साथ ही साथ शोध एवं इनोवेशन प्रतिनिधियों] सामुदायिक समूहों और नागरिकों के सहयोग से स्थायी शहरी विकास को बढ़ावा देने के लिए यूरोपीय संघ की दीर्घकालिक रणनीति का हिस्सा है।

आईयूसी के शामिल होने के माध्यम से शहरों को अपने अंतरराष्ट्रीय समकक्षों के साथ ज़्यादा पर्यावरण अनुकूल और ज़्यादा समृद्ध भविष्य के बारे में अपने ज्ञान का अदान-प्रदान एवं साझा करने का अवसर मिलेगा।

आईयूसी प्रोग्राम शहरों को एक-दूसरे से सीखने] महत्वाकांक्षी लक्ष्यों को तय करने] स्थायी भागीदारी बनाने] नए समाधानों का परीक्षण करने और अपने अंतरराष्ट्रीय प्रोफाइल को बढ़ावा देने का एक अवसर है। इससे जुड़ी गतिविधियां शहरी विकास तथा जलवायु परिवर्तन पर स्थानीय एवं प्रमुख अंतरराष्ट्रीय समझौतों, जैसे कि अर्बन एजेंडा] टिकाऊ विकास लक्ष्यों एवं पेरिस समझौते से संबंधित नीतिगत उद्देश्यों की प्रप्ति में सहयोग करेगा।

अधिक जानकारी के लिए देखें
www.iuc.eu

शहरों के बीच परस्पर सहयोग

स्थायी शहरी विकास के लिए आई.यू.सी. शहर से शहर के बीच सहयोग कार्यक्रम के तहत् उन षहरों को आवेदन के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है जो अपनी तरह की चुनौतियों का सामना कर रहे दुनिया के दूसरे क्षेत्रों के नगरों से सहयोग करने के इच्छुक हैं। इस कार्यक्रम के माध्यम से स्थानीय नेता और नगर निगमों के तकनीकी विशेशज्ञ अपने विकास से जुड़े मुद्दों पर दूसरे शहरों के लोगों से जुड़ पाएंगे और उनके आईने में अपनी समस्याओं को देख पाएंगे।

हर शहर के प्रतिनिधि अध्ययन दौरों, कर्मचारियों के आदान-प्रदान, प्रशिक्षण एवं संगोष्ठियों में हिस्सा लेने के साथ साथ स्थानीय कार्ययोजना तैयार कर सकेंगे और स्थायी शहरी विकास में भागीदार होंगे।

आईयूसी शहर से शहर के बीच सहयोग कार्यक्रम में शामिल होने से आपके शहर को जो लाभ होंगे वे इस प्रकार हैं:

- **सीखना:** चुनौतियों का सामना करने के नए तरीकों तक पहुंच प्राप्त होगी और अच्छी कार्य संस्कृतियों के व्यापक पूल का फायदा मिलेगा।
- **बांटना:** आप अपने अनुभवों और ज्ञान से दूसरे शहरों की समस्याएं दूर करने में मदद कर सकेंगे।
- **आदान-प्रदान:** दुनिया के दूसरे साथी शहरों और प्रासंगिक हितधारकों (सार्वजनिक एवं निजी) के साथ आपको अपने शहर का संवाद और भागीदारी कायम करने का अवसर मिलेगा।
- **प्रदर्शन:** आपने सर्वोत्तम कार्यप्रणालियों और उपलब्धियों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रदर्शित करने का मौका मिलेगा।
- **क्रियान्वयन:** आप अपने शहर के स्थायी विकास संबंधी दृष्टिकोण को साकार होता देखने के लिए नए भागीदारों के साथ काम कर सकेंगे।
- **प्रतिबद्धता:** अंतरराष्ट्रीय साथी शहरों के साथ कम से कम 18 माह तक व्यापक सहयोग करें, संसाधनों का आवंटन करें तथा सफल सहयोग विकसित करने के लिए समय दें, जो इस कार्यक्रम के जीवनकाल से भी अधिक समय बना रहेगा।

आवेदन के बारे में अधिक जानकारी के लिए, संपर्क करें: info@iuc-india.eu

ग्लोबल कन्वीनेंट आफ मेयर्स

जलवायु और ऊर्जा के लिए कन्वीनेंट आफ मेयर्स अपने क्षेत्र में महत्वाकांक्षी जलवायु एवं ऊर्जा उद्देश्यों को लागू करने के लिए हजारों स्थानीय सरकारों को स्वैच्छिक तौर पर एकसाथ लाता है। जलवायु की चुनौती को हल करने के लिए शहरों द्वारा यह एक प्रभावशाली प्रतिक्रिया है। 7400 से ज़्यादा शहरों की प्रतिबद्धता के साथ विकसित, यह स्थानीय जलवायु लीडरशिप के लिए प्रतिबद्ध दुनिया का सबसे बड़ा बहु-हितधारक गठजोड़ है।

ग्लोबल कन्वीनेंट आफ मेयर्स दुनिया भर में स्थित क्षेत्रीय कन्वीनेंट आफ मेयर्स कार्यालय के तहत् सभी को एकजुट करता है, जिनमें से प्रत्येक को उनके लिए उपयुक्त क्षेत्र की सर्वोत्तम सिद्धांतों और विधियों के तहत् संगठित किया जाता है।

क्षेत्रीय कन्वीनेंट कार्यालय भागीदार शहरों के साथ समन्वय एवं सहयोग में मदद करता हैं। वे स्थानीय स्तर पर जलवायु काययोजना को प्रोत्साहित करते हैं और प्रतिबद्ध हस्ताक्षरकर्ताओं को एक समुदाय के तौर पर बनाने में मदद करते हैं।

उनके अधिकार क्षेत्र का दायरा या स्थान जो भी, इस गठबंधन में शामिल मेयर्स और स्थानीय नेताओं ने जलवायु परिवर्तन के असर को कम करने, अनुकूलन और स्थायी ऊर्जा तक पहुंच से संबंधित चुनौतियों से निपटने के लिए दीर्घकालिक प्रभाव के साथ ठोस उपाय करने के लिए तैयार हैं।

GLOBAL COVENANT *of* MAYORS *for* CLIMATE & ENERGY

यह कैसे काम करता है

आईयूसी को तीन घटक में बांटा गया है] जिनमें से प्रत्येक का एक अनूठा ध्यानाकर्षण क्षेत्र है।

I- टिकाऊ शहरी विकास पर सिटी-टु-सिटी सहयोग

यूरोपीय संघ के शहरों को टिकाऊ विकास की चुनौतियों का सामना करने वाले अन्य क्षेत्रों के समकक्ष शहरों के साथ जोड़ा जाएगा। चुने गए शहरों को टिकाऊ शहरी समाधानों की श्रेष्ठ कार्यप्रणालियां और ज्ञान साझा कर सहयोग किया जाएगा। इसे स्थानीय कार्ययोजनाओं के विकास के माध्यम से आंशिक रूप से हासिल किया जाएगा, जो ठोस परिणाम प्राप्त करने के लिए गतिविधियों एवं पायलट परियोजनाओं की रूपरेखा तय करेगा। शहरी विकास की विशिष्ट बाधाओं को दूर करने के लिए संसाधनों और सर्वोत्तम कार्यप्रणालियों के साथ ज्ञान-साझा करने का एक मंच स्थापित किया जाएगा।

II- ग्लोबल कन्वीनेंट आफ मेयर्स पहल के अंतर्गत उप-राष्ट्रीय कार्रवाई

शहरों और अन्य उप-राष्ट्रीय इकाइयों को ग्लोबल कन्वीनेंट आफ मेयर्स में शामिल होने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा। कन्वीनेंट आफ मेयर्स के माध्यम से स्थानीय सरकारें ऊर्जा में कमी, अनुकूलन तथा पहुंच पर कार्य करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। इस पर हस्ताक्षर करने वाले शहर को उनकी ऊर्जा और जलवायु प्रतिबद्धताओं पर कार्य करने के लिए तकनीकी दक्षता का लाभ मिलेगा।

III- स्थानीय और क्षेत्रीय विकास के लिए इनोवेशन पर अंतर-क्षेत्रीय सहयोग

क्षेत्रीय इनोवेशन एवं दो क्षेत्रों में और उनके बीच सहयोग में सुधार के तरीकों पर ध्यान देने के लिए सपोर्ट किया जाएगा, ये क्षेत्र हैं - यूरोपीय संघ और लैटिन अमेरिका तथा कैरेबियन। यह कार्यक्रम इनोवेटिव एसएमई से जुड़े क्षेत्रीय रणनीतियों के विकास और सुदृढ़ीकरण को प्रोत्साहित करेगा और अंतरराष्ट्रीय वैल्यू चेन को बढ़ावा देगा। अच्छी कार्यप्रणालियों के अनुभव और सीखे गए सबक को एकत्रित और साझा किया जाएगा तथा ज्ञान प्रबंधन एवं विकास को बढ़ावा दिया जाएगा।

आईयूसी प्रोग्राम से संपर्क में रहना चाहते हैं

संपर्क: आईयूसी समन्वय यूनिट

फोन: +91 11 4039 2664

ईमेल: info@iuc-india.eu

हमारी वबेसाइट पर देखें
www.iuc.eu

ट्वटिर पर हमें फालो करें:
www.facebook.com/indiaiuc

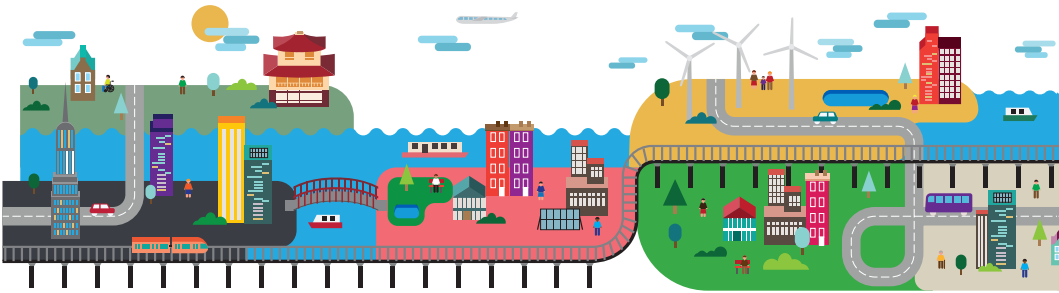

A European Union Programme

इस प्रकाशति सामग्री के लिए केवल आईयूसी समन्वय इकाई जम्मिेदार है और यूरोपीय संघ के वचिारों को प्रतबिंबिति करने के लिए इसे अपनाया नहीं जा सकता है।